पाठ 8. फलों का राजा आम

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में तदनुरूपता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे अपरिचित परिस्थितियों में जीवन को समझने में सक्षम हो सकें। यह निबंधात्मक पाठ है जिसमें आम के गुणों का बखूबी वर्णन किया गया है।

पाठ का सार

आम को फलों का राजा कहा जाता है। आम की लगभग 1100 किस्में भारत में पाई जाती हैं। इसके पत्तों तथा लकड़ियों का प्रयोग शुभ अवसरों पर किया जाता है। आम, कच्चा तथा पका दोनों रूपों में भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। कच्चा आम अचार के लिए प्रयोग किया जाता है तथा पका आम विभिन्न रूपों में खाने के काम आता है। आम से भाँति-भाँति के व्यंजन तैयार किए जाते हैं। परंतु, इसका इस्तेमाल सीमित रूप में ही करना चाहिए। अधिकता, किसी भी चीज़ की हो, बुरी होती है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  यह निबंधात्मक पाठ है। बच्चों के दैनिक जीवन से संबंधित अनुभव बाँटें और फलों, विशेषकर आम के बारे में जानकारी दें। आम कब खट्टा होता है और कब मीठा, यह भी बताएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 42** देखें।
  - शब्दों के अंत में शब्दांश जोड़ना सिखाएँ। शब्दांश जोड़ते समय मूल शब्द में होने वाले परिवर्तनों की चर्चा अवश्य करें। वाक्य में अशुद्धियों की पहचान करवाने से पहले यह सुनिश्चित करें कि अशुद्धियाँ किन-किन प्रकारों की हो सकती हैं।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - आम से संबंधित इन क्रियाकलापों के करने से बच्चों में कल्पना-शक्ति व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।
  - बच्चों से प्रश्न करें जैसे-उसे कौन-सा आम पसंद है। आम बाज़ार में किस भाव में मिलते हैं, बाज़ार में आम किस मौसम में बिकते हैं, आदि।